NEWS CLIPPING:31.03.2023

AAJ SAMAJ

सात दिवसीय समाजकार्य शिविर का समापन

फरीदाबाद। समाज कार्य प्रायोगिक गतिविधि है जिसने सामाजिक तानाबाना समझ कर नित नये प्रयोग संभव है। ऐसे शिविर समाज कार्यकर्ताओं कोप्रैक्टिकल एक्सपोज देता है। शिविर में मिले अनुभव को छात्रों ने जीवन और आगे प्रोफेशनल करियर में प्रयोग करना चाहिए। यह बतौर मुख्य वक्ता प्रो. सविता भगत, प्राचार्य, डीएवी सेंटेनरी कॉलेज, फरीदाबाद ने समाजकार्य पाठयक्रम, संचार एवं मीडिया तकनीकीविभाग,जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा ग्राम सीकरी में आयोजित सात दिवसीय समाज कार्यशिविर के समापन सत्र में कहें। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर पवन सिंह ने बताया विभाग द्वारा आयोजितसात दिवसीय समाज कार्य शिविर बीएसडब्लू वितीय वर्ष के छात्रों के लिए ग्रामीण शैक्षिक शिविर पाठ्यक्रम के एक अनिवार्य भाग के रूप में आयोजित किया गया था। डॉ. पवन सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि युवा देश के भविष्य है। ऐसे में छात्रों को 2047 के भारत हेतु अपने को अभी से तैयार करना होगा। जिससे हम स्वर्णिम भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:31.03.2023

HADOTI ADHIKAR

ग्रामीण परिवेश से सीखी जा सकती है जीवन जीने की कला : प्रो. मिश्रा

सीकरी में सात दिवसीय समाजकार्य शिविर का हुआ समापन

हाड़ौती अधिकार

पृथला, 30 मार्च। समाज कार्य प्रायोगिक गतिविधि है जिसने सामाजिक तानाबाना समझ कर नित नये प्रयोग संभव है। ऐसे शिविर समाज कार्यकर्ताओं को प्रैक्टिकल एक्सपोजर देता है। शिविर में मिले अनुभव को छात्रों ने जीवन और आगे प्रोफेशनल करियर में प्रयोग करना चाहिए। यह बात बतौर मुख्य वक्ता प्रो. सविता भगत, प्राचार्य, डीएवी सेंटेनरी कॉलेज ने समाज कार्य पाठ्यक्रम, संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग,जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम सीकरी में आयोजित सात दिवसीय समाज कार्य शिविर के समापन सत्र में कही।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने बताया विभाग द्वारा आयोजितसात दिवसीय समाज कार्य शिविर बीएसडब्लू वितीय वर्ष के छात्रों के लिए ग्रामीण शैक्षिक शिविर पाठ्यक्रम के एक अनिवार्य भाग केरूप में आयोजित किया गया था, जो छात्रों को समूह कार्य, टीम भावना और ग्रामीण जीवन के विभिन्न आयामों को सीखने में सक्षम बनाता है। कार्यक्रम की शुरुआत 24 मार्च को ग्राम सीकरी में 3 पेड़ (त्रिवेणी) लगाकर की गई। समापन सत्र में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फ्लेम्स के डीन प्रो. अतुल मिश्रा थे। उन्होंने छात्रों को समाज के बारे में अधिक जानने और इसके विकास में योगदान करने केलिए प्रोत्साहित किया और कहा कि जीवन जीने की कला ग्रामीण परिवेश से सीखी जा सकती। उन्होंने कहा कि विज्ञान के युग में छात्रों को समाज कल्याण की गतिविधियों में भाग लेते देखकर मुझे प्रसन्नता होती है, इसके लिए उन्होंने डॉ. पवन सिंह को गतिशील नेतृत्व के लिए बधाई दी।

डॉ. पवन सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि युवा देश के भविष्य है। ऐसे में छात्रों को 2047 के भारत हेतु अपने को अभी से तैयार करनाहोगा जिससे हम स्वर्णिम भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। डॉ. पवन सिंह ने बताया इन इन सात दिनों में छात्रों ने ग्रामीण जीवन और समाज के प्रत्येक आयाम का गहराई से अध्ययन करने किया। शिविर में राम फाउंडेशन की संस्थापक नमृता नारायण द्वारा 'उद्यमिता' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया। शिविर में सूरजप्रकाश आरोग्य केंद्र ने सामाजिक कार्य के छात्रों (संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग) के सहयोग से सीकरी गांव में निशुल्कचिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया। शिविर में छात्रों ने गांव में जाकर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्रामीणों को महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। गांव की महिलाओं ने भी छात्रों से अपनी समस्यों पर चर्चा की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने मीडिया विभाग को इस सुंदर शिविर के आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रकार के शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय की इसी प्रतिबद्धता के परिणाम है। कार्यक्रम के अंत में सीकरी के सरपंच विवेक ने मीडिया विभाग और विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

NEWS CLIPPING:31.03.2023

PIONEER

उद्देश्यपूर्ण जीवन की प्रेरणा देते हैं ऐसे शिविरः प्रो.भगत

2047 के भारत के लिए अपने को अभी से तैयार करना होगा : डॉ. पवन सिंह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

समाज कार्य प्रायोगिक गतिविधि है जिसने सामाजिक तानाबाना समझ कर नित नये प्रयोग संभव है। ऐसे शिविर समाजकार्यकर्ताओं कोप्रैक्टिकल एक्सपोजर देता है। शिविर में मिले अनुभव को छात्रों ने जीवन और आगे प्रोफेशनल करियर में प्रयोग करना चाहिए। यह बतौर मुख्य वक्ता प्रो. सविता भगत, प्राचार्य, डीएवी सेंटेनरी कॉलेज, फरीदाबाद ने समाजकार्य पाठ्यक्रम, संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग, जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा ग्राम सीकरी में आयोजित सात दिवसीय समाज कार्यशिविर के समापन सत्र में कहें। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर पवन सिंह ने बताया विभाग द्वारा आयोजितसात दिवसीय समाज कार्य शिविर बीएसडब्लू वितीय वर्ष के छात्रों के लिए ग्रामीण शैक्षिक शिविर पाठ्यक्रम के एक अनिवार्य भाग केरूप में आयोजित किया गया था, जो छात्रों को समूह कार्य, टीम भावना और ग्रामीण जीवन के विभिन्न आयामों को सीखने में सक्षमबनाता है। कार्यक्रम की शुरुआत 24 मार्च को ग्राम सीकरी में 3 पेड़ (त्रिवेणी) लगाकर की गई। समापन सत्र में कार्यक्रम के मुख्यअतिथि फ्लेम्स के डीन प्रो. अतुल मिश्रा थे। उन्होंने छात्रों को समाज के बारे में अधिक जानने और इसके विकास में योगदान करने केलिए प्रोत्साहित किया और कहा कि जीवन जीने की कला ग्रामीण परिवेश से सीखी जा सकती। उन्होंने कहा कि विज्ञान के युग में छात्रों को समाज कल्याण की गतिविधियों में भाग लेते देखकर मुझे प्रसन्नता होती है, इसके लिए उन्होंने डॉ. पवन सिंह को गतिशील नेतृत्व के लिए बधाई दी। डॉ. पवन सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि युवा देश के भविष्य है। ऐसे में छात्रों को 2047 के भारत हेतु अपने को अभी से तैयार करनाहोगा जिससे हम स्वर्णिम भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। डॉ. पवन सिंह ने बताया इन इन सात दिनों में छात्रों ने ग्रामीण जीवन और समाज के प्रत्येक आयाम का गहराई से अध्ययन करने किया।

दीप जलाते हुए प्रो. सविता भगत।

NEWS CLIPPING:31.03.2023

DAINIK JAGRAN

शिविर में 150 छात्र-छात्राओं ने कराई स्वास्थ्य की जांच

वि., फरीदाबाद: जेसी बोस विश्वविद्यालय में मैरिंगो क्यूआरजी अस्पताल के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को विभिन्न बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सकों की एक टीम जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ डा.साक्षी चौधरी, वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ डा.अलका चौधरी और मनोविशेषज्ञ डा.रिया राघव शामिल रहीं। कुलपति प्रो.एसके तोमर ने चिकित्सा केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लाभ के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। शिविर चिकित्सा अधिकारी डा.अंकुर शर्मा के देखरेख में आयोजित किया गया। कुलसचिव डा.एसके गर्ग ने भी शिविर का जायजा लिया। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 150 से अधिक विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया तथा लाभ उठाया।